पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2015-17 प्रकाशित: 16.03.2015 इस अंक का मूल्य 2 रुपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868051444

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद्
अमर शहीद भगतसिंह,
राजगुरू, सुखदेव के
बलिदान दिवस पर
राष्ट्र रक्षा यज्ञ
सोमवार 23 मार्च 2015,
प्रात: 10 से 1.30 तक
जन्तर मन्तर, नई दिल्ली
साथियों सहित पंहुचे

वर्ष-31 अंक-20 चैत्र-2072 दयानन्दाब्द 191 16 मार्च से 31 मार्च 2015 (द्वितीय अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 16.03.2015, E-mail : aryayouthn@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

रोहतक के स्वामी इन्द्रवेश विद्यापीठ आश्रम टिटोली में बेटी बचाओ यज्ञ सम्पन्न

वैदिक विद्वान, आर्य संन्यासी स्वामी चन्द्रवेश जी के 80 वें जन्मोत्सव पर अभिनन्दन

शनिवार, 14 मार्च 2015, सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में स्वामी इन्द्रवेश जी के 78 वें जन्मोत्सव पर स्वामी इन्द्रवेश विद्यापीठ, ग्राम टिटोली, रोहतक में दिनांक 8 मार्च से 15 मार्च 2015 तक "बेटी बचाओ यज्ञ" का भव्य आयोजन किया गया। चित्र में परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष व सार्वदेशिक सभा के उपप्रधान डा.अनिल आर्य सम्बोधित करते हुए। मंच पर बांये से स्वामी प्रणवानन्द सरस्वती,स्वामी चन्द्रवेश जी, सार्वदेशिक सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश जी,स्वामी सोम्यानन्द जी व द्वितीय चित्र—स्वामी चन्द्रवेश जी का अभिनन्दन करते डा. अनिल आर्य, श्री ओम सपरा, स्वामी रामवेश जी, स्वामी प्रणवानन्द जी, स्वामी आर्यवेश जी व श्री रामकुमार सिंह जी।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक "दयानन्द भवन" में सम्पन्न

युवा पीढ़ी को संस्कारित करने के लिये देश भर में लगेंगे चरित्र निर्माण शिविर

रविवार, 15 मार्च 2015, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् की राष्ट्रीय कार्यकारिणी व सकिय कार्यकर्ताओं की बैठक सार्वदेशिक सभा, महर्षि दयानन्द भवन, नई दिल्ली में डा. अनिल आर्य की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में ग्रीष्मकालीन शिविरों के माध्यम से नयी युवा पीढ़ी को चरित्रवान व संस्कारित बनाने व वैदिक चेतना प्रचार यात्रा हरिद्वार से गुरूकुल होशगांबाद तक जो कि 13 अप्रैल से 23 अप्रैल 2015 तक चलेगी उसमें पूरा सहयोग करने का निश्चय हुआ। दीप प्रज्जवलित कर बैठक का उद्घाटन करते राष्ट्रीय अध्यक्ष डा.अनिल आर्य,साथ में श्री रामकुमार सिंह (संचालक,दिल्ली प्रदेश), श्री मनोहरलाल चावला (अध्यक्ष,हरियाणा), श्री श्यामलाल आर्य (बागेश्वर,उतराखण्ड), श्री आनन्द प्रकाश आर्य व श्री प्रवीन आर्य (अध्यक्ष व महामन्त्री,उतर प्रदेश) व सामने सभागार का सुन्दर द्रश्य।

शिक्षाविद् श्री दीनानाथ बत्रा व वैदिक विद्वान आचार्य अखिलेश्वर जी का अभिनन्दन

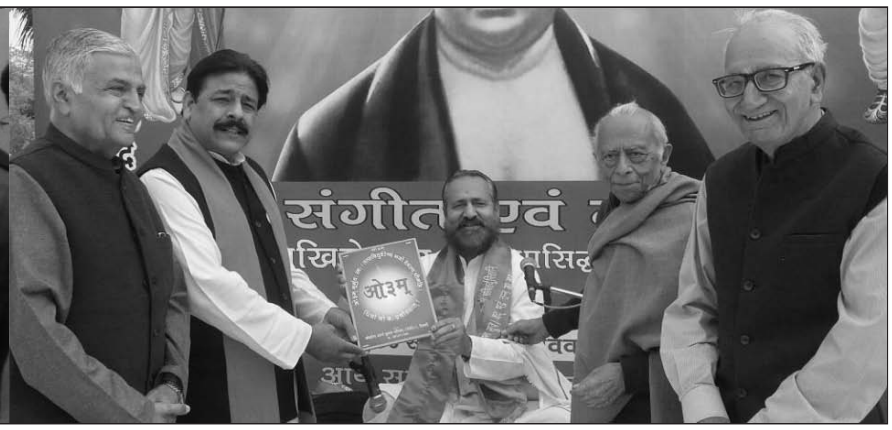

शिक्षा बचाओ समिति के राष्ट्रीय संयोजक श्री दीनानाथ बत्रा का 86 वां जन्मोत्सव सरस्वती शिशु मन्दिर, नारायणा विहार, नई दिल्ली में सोल्लास मनाया गया। चित्र में श्री बत्रा जी को केसरिया पटका व महर्षि दयानन्द जी का चित्र भेंट करते केन्द्रीय मन्त्री डा. हर्षवर्धन, डा.अनिल आर्य, श्री महेन्द्र भाई व श्री नाहरसिंह वर्मा। द्वितीय चित्र—आर्य समाज,पूर्वी पंजाबी बाग,दिल्ली के तत्वावधान में ढींगरा पार्क मे आचार्य अखिलेश्वर जी की गीता कथा सम्पन्न हुई। आचार्य जी का स्वागत करते डा.अनिल आर्य, श्री बलदेव जिन्दल (प्रधान), श्री रवि चड्डा(मन्त्री) व श्री रमेश गिरोत्रा।

कश्मीर, सरकार और विवाद

– अवधेश कुमार

जम्मू कश्मीर में भाजपा पीडीपी सरकार बनने के बाद मुफ्ती मोहम्मद के अलगाववादियों, आतंकवादियों एवं पाकिस्तान के समर्थन में स्पष्ट दिखने वाले बयानों को लेकर संसद से बाहर तक जो आक्रोश है उसे अनुचित मानने का कोई कारण नहीं है। इस तरह अगर सरकार मे भाामिल लोग संसद हमले में अपराध सिद्ध अफजल गुरु की फांसी को गलत ठहरायेंगे तो उसकी प्रतिक्रिया देश के अन्य भागों एवं राजनीतिक प्रतिष्ठान में होनी ही है। तत्काल ऐसा लगता है जैसे भाजपा कश्मीर पर अब तक अपने आक्रामक राष्ट्रवादी धारा के विपरीत राष्ट्र विरोधी तत्वों के साथ गठबंधन करके सत्ता में आ गई है और उसके पास अपने ही समर्थन से बनाए गए मुख्यमंत्री के बयानों का कोई तार्किक उत्तर नहीं है। हमला केवल विपक्ष की ओर से ही नहीं है, स्वयं भाजपा के अंदर भी असहजता महसूस की जा रही है, कार्यकर्ताओं के अंदर क्षोभ और आक्रोश है। सभी पार्टियां उसे कठघरे में खड़ा कर रहीं है। अगर इतना भी आक्रोश नहीं हो तो लगेगा इस देश में अब अपने राष्ट्रीय मुद्दों के प्रति भी प्रखरता लुप्त हो रही है। लेकिन केवल इस पहलू के आधार पर जम्मू कश्मीर की वर्तमान सरकार तथा उसके औचित्य अनौचित्य का मूल्यांकन करना एकपक्षीय होगा।

जम्मू कश्मीर हमारे लिए ऐसा मुद्दा है जिसका समाधान आज तक कोई सरकार नहीं कर सकी। पर यह भी ध्यान रखें कि वहां की किसी सरकार की हिम्मत भी नही कि वह वहां केन्द्र के विरुद्ध जाकर नीतिगत बदलाव की मनमानी कर सके। इस बात के प्रति हमें निश्चिंत रहना चाहिए। हमें यह स्पष्ट समझना होगा कि कश्मीर में लोकतांत्रिक प्रक्रिया अपरिहार्य है और भारत के हित में। कश्मीर राष्ट्रपति शासन में ज्यादा दिन न रहे और निर्वाचितों की सरकार बने इसका संदेश अलग जाता है। राष्ट्रपति शासन से वहां भी विरोधियों को असंतोष बढ़ाने तथा दुनिया भर में दुष्प्रचार करने का अवसर मिलता है। इसलिए कश्मीर में हर हाल में निर्वाचित सरकार बनना ही चाहिए था। इसलिए मैं और मेरी तरह सोचने वाले लोगों ने भाजपा पीडीपी सरकार के भविष्य पर संदेश व्यक्त करते हुए, मुफ्ती मोहम्मद सईद तथा पीडीपी की अलगाववादियों, आतंकवादियों के प्रति सहानुभूति का भाव जानते हुए भी सरकार बनने का समर्थन किया है। किंतु सरकार बनने का समर्थन करने यह अर्थ नहीं कि सईद व पीडीपी के मंत्रियों विधायकों के बोल का किसी सूरत में समर्थन किया जा सकता है।

पर सईद जो बोल रहे हैं वह आपत्तिजनक ही नहीं तथ्यात्मक रुप से गलत है। आखिर कश्मीर चुनाव को बाधित करने के लिए पाकिस्तान, उसकी आईएसआई और आतंकवादियों ने पूरी कोशिश की। हमले किए, हमारे जवान और निर्दोश मारे गए। तीन–तीन दिनों तक सेना को आतंकवादियों से मोर्चाबंदी करनी पड़ी। सईद यदि कह रहे हैं कि आतंकवादियों, अलगाववादियों तथा पाकिस्तान ने बैलेट के महत्व को समझा और पहले की तरह बाधा नहीं पहुंचाया तथा चुनाव भाांतिपूर्ण सम्पन्न हो सके तो यह उन सारे भाहीदों का अपमान है जिनने चुनाव के लिए जान दे दी। उनके भाव पर पत्थर फेंकने जैसा है। इसकी निंदा होनी चाहिए। हालांकि हंगामें के बाद उनने अपना स्पष्टीकरण दिया है जिसमें चार बातें कहीं हैं। 1 मैंने पाकिस्तान और हुर्रियत के बारे में मैंने कहा कि कश्मीर के उबरने और लोकतंत्र के काम करने के साथ इसमें विश्वास को उन्होंने (पाकिस्तान और हुर्रियत ने) मान्यता दी। उन्होंने इस बात को समझा कि मतदाता पर्ची लोगों की नियति है, न कि गोली या ग्रेनेड। 2. और यह मतदाता पर्ची हमे भारत के संविधान ने दी है। जम्मू कश्मीर की आवाम की इसमें (अधिकार में) कहीं अधिक आस्था है। उन लोगों (सीमा पार के लोग और हुर्रियत) ने दखलंदाजी नहीं की, जैसा कि पहले (चुनावों में) हुआ करता था। 3. मैंने जो कुछ कहा उसके सिर्फ एक ही हिस्से पर जोर दिया गया जबकि सकारात्मक चीजों को नजरअंदाज कर दिया गया। वे लोग तिल का ताड़ बनाना चाहते हैं। 4 भारत के संविधान में कश्मीर ने जो संवैधानिक अधिकार पाया है और लोकतांत्रिक संस्थानों ने जो मजबूती पाई है, यह मतदाता पर्ची के चलते है, जिसे उन्होंने मान्यता दी। उन्होंने हर चीज आजमाई। उन्होंने (सीमा पार की ताकतों) लोकतंत्र की संस्था को मान्यता दी।

उनके स्पष्टीकरण में भारत के संविधान की स्वीकृति तो है, पर मूल रुप में वे अपने बयान पर कायम है जो हर हाल में आपत्तिजनक है। इसे अगर कोई भारत विरोधी बयान कह रहा है उसे भी गलत नहीं ठहराया जा सकता है। लेकिन क्या सईद से ऐसे बयान की अपेक्षा हमें नहीं थी? क्या अफजल गुरु की फांसी का गलत ठहराना या उसका भाव मांगना अप्रत्याशित है? इन दोनों प्रश्नों को उत्तर है, नहीं, कतई नहीं। भाजपा और मोदी का भय दिखाकर जिस तरह उनने वोट पाया है और अब उसके साथ सरकार बना रहे हैं तो फिर वे अपने समर्थकों को कैसे मना पाएंगे? इसलिए वे और उनकी पार्टी कुछ ऐसा अतिवादी बयान देंगे। इसी तरह अफजल के फांसी दिये जाने के बाद कश्मीर घाटी में जैसा विरोध हुआ, वहां की विधानसभा में जिस तरह का क्षोभ प्रकट किया गया उस दृश्य को याद कीजिए। ऐसा वहां पहले से हो रहा है। पूर्व विधानसभा में बराबर मामला उठता रहा है। यह वहां चुनाव का भी मुद्दा था। पीडीपी के नेताओं ने घाटी में यह मामला उठाया था। यह देश विरोधी कृत्य है, पर कश्मीर में ऐसा होता रहा है यह हम न भलें। वे ऐसा आगे भी करेंगे और हमें उसमें आश्चर्य नहीं होना चाहिए।

सईद की विधारधारा वैसे भी कश्मीर के सभी मुख्य राजनीतिक दलों में सबसे ज्यादा अलगाववादी समर्थन की रही है। वे केन्द्र में गृहमंत्री तक रहे, उनकी बेटी सांसद तक रहीं हैं, पर इससे उनके प्रकट स्वर में कोई अंतर नहीं आया। कांग्रेस के साथ सरकार बनाने के बाद भी वो इस तरह के बयान देते थे जिसका भाजपा इसी तरह आक्रामकता से विरोध करती थी जैसी आज दूसरी पार्टियां कर रहीं हैं। उनके बयानों से तंग आकर कांग्रेस की ओर से अंतिम तीन साल के लिए मुख्यमंत्री बने गुलाम नबी आजाद ने उनसे नाता तोड़ देने में ही भलाई समझी। हालांकि भाजपा के समर्थन से मुख्यमंत्री के पद पर बैठा व्यक्ति इस तरह का बयान दे तो इसे गले उतारना किसी के लिए भी कठिन होगा। पर हमें विरोध करते हुए भी इस सरकार को भंग कर देने या भाजपा द्वारा तुरंत सरकार से बाहर आ जाने की अतिवादी मांग से तत्काल बचना चाहिए। यह मानना गलत होगा कि वे ऐसा कुछ कर पाने की स्थिति में हैं, जो केन्द्र की कश्मीर नीति के विरुद्ध है। हां, यह संभव है कि उनके बयानों से अलगाववादी तत्वों की थोड़ी हौंसला अफजाई हो।

हम यहां एक अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू नजरअंदाज कर रहे हैं। यह वहां की पहली सरकार है जिसमें जम्मू और लद्याख का वास्तविक प्रभावी प्रतिनिधित्व हुआ है। यह पहली सरकार है जिसमें हिन्दू और मुसलमान बराबरी के स्तर पर भाामिल हैं। यह पहली सरकार है जिसमें संसाधनों के वितरण, विकास की नीतियों या अन्य मामलों में जम्मू और लद्याख को पहले की तरह नजरअंदाज करना कठिन होगा। संसाधनों के समान वितरण की संभावना वाली सरकार है। तो इसके ऐसे कई सकारात्मक पहलू भी हैं।

हां, मूल बात केन्द्र के रवैये का है। यानी केन्द्र उनके साथ गठबंधन से परे सरकार के स्तर पर कैसा व्यवहार करती है। भाजपा एक सामान्य राजनीतिक प्रक्रिया को जिस ढंग से हैण्डल करनी चाहिए नहीं कर पाई है। सईद जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिलने आये थे तो वे उनसे केवल हाथ मिलाना चाहते थे। प्रधानमंत्री ने उनको ऐसे गले लगाया मानो कोई एकदम दिली मित्र मिल रहे हों। कोई भी महसूस कर सकता था कि सईद गले मिलते वक्त हिचकिचा रहे थे। सच कहा जाए तो यह एक मजबूरी की सरकार थी और उसे उसी रुप में प्रस्तुत किया जाना चाहिए था। कठोर मोलभाव करते हुए मुफ्ती को उनकी सीमायें बतलाई जानी चाहिए थी। कांग्रेस ने 2002 में समझौता किया तो 3–3 साल के मुख्यमंत्री पद के लिए। भाजपा के पास 24 अपना तथा एक निर्दलीय का समर्थन है। पीडीपी के पास 28 विधायक हैं। तो सीटों में इतना अंतर नहीं है। इनको इसके लिए दबाव बनाना चाहिए था। साथ ही कुछ महत्वपूर्ण मंत्रालय की भी मांग करनी चाहिए थी। गृह, वित्त और कानून तीनों मंत्रालय पीडीपी के पास है। ये वे नहीं कर सके। पर सेना को मिले विशेश अधिकार हटाने पर केन्द्र ने उनको ना कह दिया है। इसी तरह उनकी कई मांगे थीं जो सामान्य न्यूनतम कार्यक्रम में भाामिल नहीं हैं। पाकिस्तान से बातचीत इस समय सही है गलत है इस पर दो राय हो सकती है, पर यह केन्द्र की नीति में भाामिल है। मुफ्ती के कहने से होगा, यह सोचना बेमानी है। वे श्रेय लेने के लिए बयान देंगे। इसे सुनते और विरोध करते हुए कामना करनी चाहिए कि सरकार कश्मीर की जनता की भलाई के लिए काम करे। उनका विश्वास भारतीय लोकतंत्र में और मजबूत हो।

–ई–30, गणेश नगर, पांडव नगर कॉम्प्लेक्स, दिल्लीः110092, दूर. :01122483408, 09811027208

प्रकाशनादि का विवरण फार्म–4

1. प्रकाशन स्थान	:	आर्यसमाज, टी–176–177, कबीर बस्ती, पुरानी सब्ज़ी मण्डी, दिल्ली–7
2. प्रकाशन अवधि	:	पाक्षिक
3. मुद्रक व प्रकाशक का नाम	:	अनिल कुमार आर्य
क्या भारत का नागरिक है?	:	हाँ
पता	:	आर्यसमाज, टी–176–177, कबीर बस्ती, पुरानी सब्ज़ी मण्डी, दिल्ली–7
4. सम्पादक का नाम	:	अनिल कुमार आर्य
क्या भारत का नागरिक है?	:	हाँ
पता	:	आर्यसमाज, टी–176–177, कबीर बस्ती, पुरानी सब्ज़ी मण्डी, दिल्ली–7
5. उन व्यक्तियों के नाम, पते जो समाचार पत्र के स्वामी हों तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत के हिस्सेदार हों।	:	केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजी.), दिल्ली

मैं अनिल कुमार आर्य एतद् द्वारा घोषित करता हूं कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिये विवरण सत्य हैं।

दिनांक 16-3-2015 **अनिल कुमार आर्य**, प्रकाशक

गौहत्या पर प्रतिबन्ध के विरोध में दिए जा रहे कुतर्कों की समीक्षा

- डॉ. विवेक आर्य

हरियाणा सरकार द्वारा गौ हत्या पर पाबन्दी लगाने एवं कठोर सजा देने पर मानो सेक्युलर जमात की नींद ही उड़ गई है। एक से बढ़कर एक कुतर्क गौ हत्या के समर्थन में कुतर्की दे रहे है। इनके कुतर्कों की समीक्षा करने में मुझे बड़ा मजा आया। आप भी पढ़े।

कुतर्क नं 1. गौ हत्या पर पाबन्दी से महाराष्ट्र के 1.5 लाख व्यक्ति बेरोजगार हो जायेगे जो मांस व्यापर से जुड़े है।

समीक्षा– गौ पालन भी अच्छा व्यवसाय हैं। इससे न केवल गौ का रक्षण होगा अपितु पीने के लिए जनता को लाभकारी दूध भी मिलेगा। ये व्यक्ति गौ पालन को अपना व्यवसाय बना सकते हैं। इससे न केवल धार्मिक सौहार्द बढ़ेगा अपितु सभी का कल्याण होगा।

कुतर्क नं 2. गौ मांस गरीबों का प्रोटीन हैं। प्रतिबन्ध से उनके स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव होगा।

समीक्षा– एक किलो गौ मांस 150 से 200 रुपये में मिलता हैं जबकि इतने रुपये में 2 किलो दाल मिलती हैं। एक किलो गौमांस से केवल 4 व्यक्ति एक समय का भोजन कर सकते हैं जबकि 2 किलो दाल में कम से कम 16–20 आदमी एक साथ भोजन कर सकते हैं। मांस से मिलने वाले प्रोटीन से पेट के कैंसर से लेकर अनेक बीमारियां होने का खतरा हैं जबकि शाकाहारी भोजन प्राकृतिक होने के कारण स्वास्थ्य के अनुकूल हैं।

कुतर्क नं 3. गौ मांस पर प्रतिबन्ध अल्पसंख्यकों पर अत्याचार हैं क्यूंकि यह उनके भोजन का प्रमुख भाग है।

समीक्षा– मनुष्य स्वाभाव से मांसाहारी नहीं अपितु शाकाहारी हैं। वह मांस से अधिक गौ का दूध ग्रहण करता है। इसलिए यह कहना की गौ का मांस भोजन का प्रमुख भाग हैं एक कुतर्क है। एक गौ अपने जीवन में दूध द्वारा हजारों मनुष्यों की सेवा करती हैं जबकि मनुष्य इतना बड़ा कृतघ्नी हैं की उसे सम्मान देने के स्थान पर कसाइयों से कटवा डालता है।

कुतर्क नं 4. अगर गौ मांस पर प्रतिबन्ध लगाया गया तो बूढ़ी एवं दूध न देनी वाली गौ जमीन पर उगने वाली सारी घास को खा जाएगी जिससे लोगों को घास भी नसीब न होगी।

समीक्षा– गौ घास खाने के साथ साथ गोबर के रूप में प्राकृतिक खाद भी देती हैं जिससे जमीन की न केवल उर्वरा शक्ति बढ़ती हैं अपितु प्राकृतिक होने के कारण उसका कोई दुष्परिणाम नहीं है। प्राकृतिक गोबर की खाद डालने से न केवल धन बचता हैं अपितु उससे जमीन की उर्वरा शक्ति भी बढ़ती हैं। साथ में ऐसी फसलों में कीड़ा भी कम लगता हैं जिनमें प्राकृतिक खाद का प्रयोग होता है। इस कारण से महंगे कीटनाशकों की भी बचत होती हैं। साथ में विदेश से महंगी रासनायिक खाद का आयात भी नहीं करना पड़ता। बूढ़ी एवं दूध न देनी वाली गौ को प्राकृतिक खाद के स्रोत्र के रूप में प्रयोग किया जा सकता है।

कुतर्क नं 5. गौहत्या पर प्रतिबन्ध अल्पसंख्यकों के अधिकारों का अतिक्रमण है।

समीक्षा– बहुसंख्यक के अधिकारों का भी कभी ख्याल रखा जाना चाहिए। इस देश में बहुसंख्यक भी रहते है। गौहत्या से अगर बहुसंख्यक समाज प्रसन्न होता हैं तो उसमें बुराई क्या है।

कुतर्क नं 6. गौहत्या करने वाले को 10 वर्ष की सजा का प्रावधान हैं जबकि बलात्कारी को 7 वर्ष का दंड है। क्या गौ एक नारी के शील से अधिक महत्वपूर्ण हो गई?

समाधान– हम तो बलात्कारी को उम्रकैद से लेकर फांसी की सजा देने की बात करते है। आप लोग ही कटोरा लेकर उनके लिए मानव अधिकार के नाम पर माँफी देने की बात करते है। सबसे अधिक मानव अधिकार के नाम पर रोना एवं फांसी पर प्रतिबन्ध की मांग आप सेक्युलर लोगों का सबसे बड़ा ड्रामा है।

कुतर्क नं 7. गौहत्या के व्यापर में हिन्दू भी शामिल है।

समाधान– गौहत्या करने वाला हत्यारा है। वह हिन्दू या मुसलमान नहीं है। पैसो के लालच में अपनी माँ को जो मार डाले वह हत्यारा या कातिल कहलाता हैं नाकि हिन्दू या मुस्लमान। सबसे अधिक गोमांस का निर्यात मुस्लिम देशों को होता हैं। इससे हमारे देश के बच्चे तो दूध के लिए तरस जाते हैं और हमारे यहाँ का प्राकृतिक संतुलन बिगड़ता हैं।

कुतर्क नं 8. अगर गौ से इतना ही प्रेम है तो उसे सड़कों पर क्यों छोड़ देते है।

समाधान– प्राचीन काल में राजा लोग गौ को संरक्षण देने के लिए गौशाला आदि का प्रबंध करते थे जबकि आज की सरकारे सहयोग के स्थान पर गौ मांस के निर्यात पर सब्सिडी देती है। विडंबना देखिये मुर्दों के लिए बड़े बड़े कब्रिस्तान बनाने एवं उनकी चारदीवारी करने के लिए सरकार अनुदान देती हैं जबकि जीवित गौ के लिए गौचर भूमि एवं चारा तक उपलब्ध नहीं करवाती। अगर हर शहर के समीप गौचर की भूमि एवं चारा उपलब्ध करवाया जाये तो कोई भी गौ सड़कों पर न घूमे। खेद हैं हमारे देश में अल्पसंख्यकों को लुभाने के चक्कर में मुर्दों की गौ माता से ज्यादा औकाद बना दी गई है।

कुतर्क नं 9. गौ पालन से ग्रीन हाउस गैस निकलती है जिससे पर्यावरण की हानि होती हैं।

समाधान– यह वैज्ञानिक तथ्य हैं की मांस भक्षण के लिए लाखों लीटर पानी बर्बाद होता हैं जिससे पर्यावरण की हानि होती है। साथ में पशुओं को मांस के लिए मोटा करने के चक्कर में बड़ी मात्रा में तिलहन खिलाया जाता हैं जिससे खाद्य पदार्थों को अनुचित दोहन होता है। शाकाहार पर्यावरण के अनुकूल हैं और मांसाहार पर्यावरण के प्रतिकूल हैं। कभी पर्यावरण वैज्ञानिकों का कथन भी पढ़ लिया करो।

कुतर्क नं 10. गौमांस पर प्रतिबन्ध भोजन की स्वतंत्रता पर आघात हैं।

समाधान– मनुष्य कर्म करने के लिए स्वतंत्रता हैं मगर सामाजिक नियम का पालन करने के लिए परतंत्र है। एक उदहारण लीजिये आप सड़क पर जब कार चलाते हैं तब आप यातायात के सभी नियमों का पालन करते हैं अन्यथा दुर्घटना हो जाएगी। आप कभी कार को उलटी दिशा में नहीं चलाते और न ही कहीं पर भी रोक देते हैं अन्यथा यातायात रुक जायेगा। यह नियम पालन मनुष्य की स्वतंत्रता पर आघात नहीं हैं अपितु समाज के कल्याण का मार्ग है। इसी नियम से भोजन की स्वतंत्रता का अर्थ दूसरे व्यक्ति की मान्यताओं को समुचित सम्मान देते हुए भोजन ग्रहण करना है। जिस कार्य से समाज में दूरियां, मनमुटाव, तनाव आदि पैदा हो उस कार्य को समाज हित में न करना चाहिये। इन कुतर्कों का मुख्य उद्देश्य युवा मस्तिष्कों को भ्रमित करना है।

आर्य कन्या शिविर दिल्ली में

केन्द्रीय आर्य युवती परिषद् के तत्वावधान में ''आर्य कन्या चरित्र निर्माण शिविर'' रविवार, 17 मई से 24 मई 2015 तक आर्य समाज,रमेश नगर,नई दिल्ली में लगेगा । सम्पर्क करें–अर्चना पुष्करना, महामन्त्री–09899555280.

श्री नरेन्द्र आर्य 'सुमन' प्रधान निर्वाचित

.आर्य समाज, रमेश नगर, दिल्ली के त्रैवार्षिक चुनाव में श्री नरेन्द्र आर्य 'सुमन' प्रधान, श्री सत्यपाल नांरग–मन्त्री व श्री नरेश विज–कोषाध्यक्ष निर्वाचित **हुए।**

शोक समाचार: विनम्र श्रद्धांजलि

1. श्रीमती सुदर्शन मुन्जाल (लुधियाना) का निधन ।
2. श्रीमती शकुन्तला शर्मा (कोटा, राजस्थान) आयु 95 वर्ष का निधन।
3. श्री धर आचार्य का निधन।
4. पं. शोभाराम प्रेमी, (भजनोपदेशक) आयु 92 वर्ष का निधन।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि।

समाजसेवी श्री सुरेन्द्र कोहली व श्री देवेन्द्र भगत का अभिनन्दन

सुप्रसिद्धसमाजसेवी श्री सुरेन्द्र कोहली का अभिनन्दन करते स्वामी प्रणवानन्द जी, डा.धर्मेन्द्र शास्त्री व श्री महेन्द्र भाई, द्वितीय चित्र–श्री देवेन्द्र भगत का अभिनन्दन करते हुए स्वामी आर्यवेश जी,डा.अनिल आर्य व श्री रविदेव गुप्ता। तदर्थ बधाई।

आर्य समाज, प्रताप नगर, दिल्ली में आदर्श होली मंगल मिलन सम्पन्न

आर्य समाज, प्रताप नगर व आर्य विद्या मन्दिर प्रताप नगर, दिल्ली के तत्वावधान में होली मंगल मिलन सोल्लास सम्पन्न हुआ। मंच पर बाये से श्री सुरेन्द्र कोहली, स्वामी आर्यवेश जी, श्री महेश बत्रा (उपायुक्त, दिल्ली पुलिस), श्री सोमदत (विधायक), डा.अनिल आर्य व श्री महेन्द्र भाई जी। द्वितीय चित्र–श्री महेश बत्रा का स्वागत करते स्वामी आर्यवेश जी, श्री केवल कृष्ण सेठी (मन्त्री, आर्य समाज), श्री सोमदत व डा. अनिल आर्य। प्रधान श्री वीरेन्द्र कुमार ने आभार व्यक्त किया व कोषाध्यक्ष श्री गुलशन कुमार व प्रि.ज्योति शर्मा ने व्यवस्था सम्भाली। लगभग 18 आर्य समाजों के अधिकारी सम्मलित हुए।

मो. आसिम बने अर्जुन आर्य व बहावलपुर समाज का उत्सव सम्पन्न

26 फरवरी 2015 ,गुरूकुल गौतम नगर,नई दिल्ली में आयोजित शुद्वि संस्कार समारोह में मो.आसिम अजुन आर्य बन गये । चित्र में मंच पर स्वामी प्रणवानन्द जी आशीर्वाद प्रदान करते हुए, साथ में डा.अनिल आर्य,मुनि बालकृष्ण,श्री चतरसिंह नागर,आचार्य प्रियव्रत शास्त्री व प.हीराप्रसाद शास्त्री । रविवार, 1 मार्च 2015,स्त्री आर्य समाज बहावलपुर,पुराना राजेन्द्र नगर,नई दिल्ली का वार्षिकोत्सव सोल्लास सम्पन्न हुआ,चित्र में डा.महेश विद्यालंकार,डा.अनिल आर्य,आचार्य गवेन्द्र शास्त्री,प्रधाना अमृत आर्या व मन्त्रिणी जनक चुघ।

आर्य युवती परिषद् व आचार्य कृष्ण प्रसाद कोटिल्य सम्मानित

परिषद् की बैठक में आर्य युवती परिषद् की अधिकारी श्रीमती वेदप्रभा बरेजा,श्रीमती अनिता कुमार,श्रीमती राज सलूजा आदि के अभिनन्दन का सुन्दर द्रश्य । द्वितीय चित्र–केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् झारखण्ड के प्रान्तीय अध्यक्ष आचार्य कृष्णप्रसाद कौटिल्य को मानव अधिकार सुरक्षा संगठन द्वारा सम्मानित किया गया,युवा उद्घोष की ओर से बधाई ।

वैदिक विरक्त मण्डल के तत्वावधान में
स्वामी आर्यवेश जी व स्वामी दिव्यानन्द जी के नेतृत्व में
कन्या भ्रूण हत्या,नशाखोरी,अन्धविश्वास व अश्लीलता के विरूद्व वेद प्रचार जन चेतना यात्रा
उद्घाटन दिनांक 13 अप्रैल 2015,प्रातः 8 से 10 बजे तक
स्थानः वैदिक मोहन आश्रम,भूपतवाला,हरिद्वार।
समापनः 23 अप्रैल 2015,प्रातः 10 से 1 बजे तक,गुरूकुल होशंगाबाद,मध्य प्रदेश

यात्रा वाया भगवानपुर,गॉगल हेड़ी,रूड़की,सहारनपुर,देवबन्द,नांगल काकड़ा,मुजफ्फर नगर, शाहपुर, पलड़ी ,बुढाना, दाहा, बरनावा, जोहड़ी, सिरसली, बड़ोली, बागपत, पाली, लोनी होते हुए 15 अप्रैल को सायं 6 बजे आर्य समाज,राज नगर,गाजियाबाद पंहुचेगी तथा 16 अप्रैल को प्रातः 8 बजे संन्यास आश्रम,गाजियाबाद से चल कर प्रातः 8.30 बजे वृन्दावन गार्डन, साहिबाबाद होते हुए प्रातः 9 बजे दिल्ली पंहुचने पर झिलमिल मैट्रो स्टेशन, 9.15 बजे आर्य समाज,दिलशाद गार्डन, 9.45 बजे सूरजमल विहार चौक, 10.30 बजे आर्य समाज,प्रताप नगर, शक्ति नगर, वजीरपुर जे. जे. कालोनी, अशोक विहार, शालीमार बाग, विशाखा एनक्लेव, प्रशान्त विहार, रोहिणी सैक्टर–7, सैनिक विहार, मेन बाजार रानी बाग, रेलवे रोड़, पूर्वी पंजाबी बाग,रमेश नगर होते हुए गुरूकुल गौतम नगर, नई दिल्ली पंहुचेगी व रात्री विश्राम। 17 अप्रैल को गुरूकुल में प्रातः 8 से 9.30 बजे तक यज्ञ व स्वागत, तत्पश्चात आर्य समाज मस्जिद मोठ, डिफेन्स कालोनी, लाजपत नगर, अमर कालोनी, कालका जी होते हुए प्रातः 11 बजे फरीदाबाद बार्डर पंहुचेगी, दोपहर 12 से 1 बजे तक गुरूकुल इन्द्रप्रस्थ, सराय, फरीदाबाद में स्वागत व भोजन। दोपहर 2 से 3 बजे तक योगधाम, संजय गांधी कालोनी, फरीदाबाद में कार्यक्रम होगा, रात्री 7 बजे गुरूकुल दखौला,मथुरा पंहुचेगी, 18 अप्रैल को प्रातः 10 से 1 बजे तक आगरा में कार्यक्रम रहेगा तत्पश्चात धौलपुर, मुरेना, अम्बाह से ग्वालियर, झांसी,सागर, भोपाल होते हुए गुरूकुल होशंगाबाद में 23 अप्रैल 2015 को समापन होगा। सभी आर्य जनों से अपील है कि मार्ग में यथा सम्भव कार्यक्रम,स्वागत,भोजन,आवास आदि का सुन्दर प्रबन्ध करने व करवाने की कृपा करें।

सम्पादकः **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिटर्स**,2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली-5 दूरभाष : 41548503 मो. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी-176-177, कबीर बस्ती, दिल्ली-7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970